Literacy for a Billion

Movie: Ganga Jamuna
Year: 1961

Song: Dagabaaz tore batiya
Lyricist: Shakeel Badayuni

ना मानूँ ना मानूँ
ना मानूँ रे
दगाबाज तोरी बतियाँ
ना मानूँ रे
दगाबाज तोरी बतियाँ
ना मानूँ रे

पिया मन में तोरे का है
मैं ना जानूँ रे
दगाबाज तोरी बतियाँ
ना मानूँ रे

साँझ कहे तोहे
चुँदरी मंगईबे
चुँदरी मंगईबे
तोरी चुँदरी मंगईबे
साँझ कहे तोहे
चुँदरी मंगईबे
भोर भई तो
बिसर गई बतियाँ
हाँ ...
भोर भई तो
बिसर गई
हाँ हाँ
बिसर गई
हाय राम
बिसर गई
बतियाँ ना मानूँ रे

दगाबाज तोरी बतियाँ
ना मानूँ रे
ओ ...
ना मानूँ ना मानूँ
ना मानूँ
बतियाँ ना मानूँ रे

हमरी गरज को
मुख से ना बोले
मुख से ना बोले
पिया मुख से ना बोले
हमरी गरज को
मुख से ना बोले
मुख से ना बोले
अपनी गरज पे
मिलाय ले अँखियाँ
हाय राम
मिलाय ले अँखियाँ
ना मानूँ रे
हो ...
ना मानूँ ना मानूँ
ना मानूँ रे
दगाबाज तोरी बतियाँ
ना मानूँ रे
पिया मन में तोरे का है
मैं ना जानूँ रे
दगाबाज तोरी बतियाँ
ना मानूँ रे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.